LOK SABHA

Monday, March 13 1978/Phalguna 22, 1899 (Saka)

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock

[MR DEPUTY SPEAKER *in the Chair*]

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

Plot near Kali Bari, Mandir Marg, New Delhi

+

*265 SHRI G M BHANAT WALLA

SHRI SHYAM SUNDER GUPTA

Will the Minister of WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND REHABILITATION be pleased to state

(a) whether a plot near Kali Bari, Mandir Marg, New Delhi which was earmarked for religious and social activities in the Master Plan had been allotted by the N D M C for constructing a Tourist Hotel to a private company,

(b) if so, the circumstances under which this plot had been allotted, and

(c) whether Government propose to hold an inquiry into this matter and if not, the reasons thereof?

निर्माण और आवास तथा पूर्ति और पुनर्वास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राम किंकर): (क) जी हां।

(ख) नई दिल्ली नगर पालिका द्वारा अनियमित रूप से आवटन किया गया था।

(ग) केन्द्रीय जाच ब्यूरो इसकी जाच पडताल कर रहा है।

SHRI G M BANATWALLA What is the name of the private company?

श्री राम किंकर यह पट्टा एस०पी० अग्रवाल को दिया गया है।

SHRI G M BANATWALLA The plot which was earmarked for a particular purpose has been allotted for constructing a tourist hotel This by itself is an irregularity Apart from this what other irregularities have been observed and what are the points on which a reference has been made to the CBI?

श्री राम किंकर मास्टर प्लान मे इसका लेड यूज धार्मिक प्रयोग लिखा गया था। लेकिन उसे एक होटल के लिए दे दिया गया और लीज का 30 साल की जगह 99 साल कर दिया गया।

निर्माण और आवास तथा पूर्ति और पुनर्वास मंत्री (श्री सिकन्दर बख्त): मास्टर प्लान मे इस का लैंड यूज रिलिजस बताया गया है। वहा पर होटल बनाने की गुजायश नही थी। किसी वक्त यह सिचुएशन पैदा करने की कोशिश की गई कि डी० डी० ए० के जरिये इसे इस्टीट्यूशनल एरिया करार दिया जाये। डी० डी० ए०

को इस बारे मे माइनर मौडिफिकेशन करने का हक है, लेकिन एक खास पीरियड तक सैंट्रल गवर्नमेंट या एल० एड डी० ओ० को रिपोर्ट करना चाहिए था। वह नही हुआ। लेकिन अगर उसे इस्टीटयूशनल एरिया मान भी लिया जाये, तब भी वहा होटल नही बन सकता था। उस प्लाट मे जमीन के तीन हिस्से थे। एक हिस्सा वह है, जिस की मालिक खुद नई दिल्ली म्यूनिसिपल कमेटी थी। दूसरा हिस्सा एल० एड डी० ओ० ने नई दिल्ली म्यूनिसिपल कमेटी को लीज पर दे रखा था। लीज की शर्त यह थी कि अगर इसको किसी और इस्तेमाल मे लाया जायेगा, तो उसके लिए एल० एड डी० ओ० या सैंट्रल गवर्नमेंट से बाकायदा इजाजत ली जायेगी। वह इजाजत नही ली गई। दूसरे टुकडे को भी एस० पी० अग्रवाल साहब को दे दिया गया। तीसरा टुकडा कतई तौर पर एल० एड डी० ओ० का था, जो न लीज पर था और न नई दिल्ली म्यूनिसिपल कमेटी इसकी मालिक थी। वह तीसरा हिस्सा भी इस लिए दे दिया गया कि फर्म ने क्लेम किया कि वहा पर जो 24 इच का पाइप चलता था, उसे हटा कर एक तरफ किया जाये, क्योंकि उससे कुछ जमीन जाया होती थी। तो उन्होने उस का कम्पन्सेशन क्लेम किया और यह तीसरा हिस्सा भी दे दिया गया। ये सब इर्रेगुलैरिटीज हुई।

चौधरी बलबीर सिह : क्या मत्री महोदय बताएगे कि जिन लोगो ने यह गलती की है उन के खिलाफ बाकायदा तौर पर सीधे ही कोर्ट मे केस क्या नही दिया गया? यह सी बी आई रिपोर्ट और इस किस्म की दूसरी कार्यवाही करने का मतलब सिवाय इसके और कुछ नही होता कि एक लम्बा प्रोसेस हो जाये और वह बाद मे किसी न किसी जगह जा कर खत्म हो जाये। जब उन्होने ओपेनली जो शरायत है उन शरायत के खिलाफ काम किया है तो उन के खिलाफ सीधे मुकदमा क्यो नही अदालत में दिया गया?

श्री सिकन्दर बख्त : बेहतर यह समझा गया कि जब प्रासीक्यूशन हो उसके पहले पूरे तौर से कानूनी तौर पर केस को मजबूत कर लिया जाये, उसके बाद अदालत मे भेजा जाये।

चौधरी बलबीर सिह : सो बी आई की एन्क्वायरी का कोई अरसा मुकर्रर है?

श्री सिकन्दर बख्त : सी बी आई की एन्क्वायरी का कोई अरसा मुकर्रर नही है लेकिन यह उन से कहा गया है कि एक्सपीडाइट किया जाये।

श्री सुरेन्द्र विक्रम : क्या यह सही है कि डी डी ए ने बहुत से ऐसे प्लाट्स ले लिए है जिन का लिए हुए तीन साल से अधिक का समय हो गया है लेकिन न उनका आज तक नाटिफिकेशन हुआ है और न मालिको का कोई मुआवजा दिया गया है। यदि यह सही है तो उन के खिलाफ क्या कार्यवाही की जा रही है?

MR DEPUTY SPEAKER It does not arise from this question

भारत सरकार के मुद्रणालयो की प्रशिक्षु योजना

*266. **श्री नवाब सिह चौहान :** क्या **निर्माण और आवास तथा पति और पुनर्वास** मत्री यह बताने की कृपा करेगे कि।

(क) मुद्रणालयो की प्रशिक्षु योजना के अन्तर्गत कितने व्यक्तियो का प्रशिक्षण दिया गया और उन पर कितना व्यय हुआ और क्या यह योजना अभी तक जारी है, और